CIN-NO-UT4999RJ2020PTC0679.
UN NO-200022186

Title Code-RAJHIN27921

मरूधर विशेष

वर्षः 1 अंकः 25 | हिन्दी | प्रातः कालीन | जयपुर, बुधवार, 31 अगस्त, 2022 | पृष्ठ :4 | मूल्यः 2 रुपए

10 साल के बाद बन रहा विशेष संयोग

भोपाल। इस बार गणेश चतुर्थी पर तीन शुभ योग का विशेष संयोग बन रहा है। इस दिन रवि, शुक्ल और ब्रह्म योग बन रहा है। सुबह 5:58 बजे से रवि योग शुरू होगा। 10:48 बजे तक शुक्ल योग रहेगा जबकि इसके तुरंत बाद ब्रह्म योग शुरू हो जाएगा। पूजा-पाठ के लिहाज से तीनों योग को बेहद शुभ माना गया है।

श्री गणेश जी की मूर्ति स्थापना के शुभ मुहूर्त

बुधवार प्रातः काल 7.00 बजे से पहले स्थिर लग्न सिंह में

सुबह 11: 22 बजे से दोपहर 1:37 तक स्थिर लग्न वृश्चिक में

शाम 5:31 से शाम 7:06 तक स्थिर लग्न कुंभ में

रात्रि में 10:20 से 12:19 तक स्थिर लग्न वृषभ में श्री गणेश स्थापना के शुभ मुहूर्त हैं।

■ ज्योतिषाचार्य पं. जगदीश शर्मा

एक्सप्रेस न्यूज

तीन शताब्दियों पुरानी पांडुलिपियों की प्रदर्शनी

अमृतसर, (एजेंसी)। श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश के 418वें वर्ष को समर्पित दो दिवसीय प्रदर्शनी श्री गुरु ग्रंथ साहिब भवन के प्रदर्शनी हॉल में एक से दो सितंबर तक आयोजित की जाएगी जिसमें श्री गुरु ग्रंथ साहिब की दुर्लभ 330 साल पुरानी पांडुलिपियों को प्रदर्शित किया जाएगा।प्रदर्शनी का उद्घाटन खदूर साहिब के पदम श्री बाबा सेवा सिंह जी करेंगे। केंद्र के निदेशक प्रो. (डॉ.) अमरजीत सिंह ने मंगलवार को बताया कि प्रदर्शनी सत्रहवीं से उन्नीसवीं शताब्दी के श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पांडुलिपियों में विभिन्न डिजाइनों की अविश्वसनीय पुष्प कला का पता लगाएगी। इस शानदार कला कृति को 36 चित्रों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाएगा।

शोपियां में लश्कर के दो आतंकी किए ढेर

शोपियां, (एजेंसी)। जम्मू कश्मीर के शोपियां जिले में आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच मंगलवार को मुठभेड़ शुरू हो गई है। एनकाउंटर शुरू होने के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके को पूरी तरह से घेर लिया है। इस समय दोनों ओर से रुक-रुककर गोलीबारी हो रही है, जिसमें अब तक दो आतंकी मारे जा चुके हैं। इस मामले में पुलिस ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकवादी प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े थे। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि सुरक्षाबलों ने शोपियां के नागबल इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना के बाद घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया।

सचिन के कहने पर हुई थी मूसेवाला की रेकी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मशहूर पंजाबी सिंगर और कांग्रेस नेता सिद्धू मूसेवाला के मर्डर की जांच में पहले दिन से ही विदेशी कनेक्शन सामने आ रहा था। क्योंकि इस घटना का एक मास्टरमाइंड कनाडा में बैठा गोल्डी बराड़ था और दूसरा जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई। इन दोनों के आपसी रिश्ते काफी मजबूत हैं। इसी गैंगस्टर जोड़ी का गुर्गा है सचिन बिश्नोई, जिसे अजरबैजान से गिरफ्तार किया गया है। सचिन का मूसेवाला हत्याकांड में अहम रोल था। भारत से 3,679 किमी दूर जाकर बैठे सचिन बिश्नोई ने कभी सोचा भी नहीं था कि वो विदेश में पकड़ा जाएगा। लेकिन ऐसा हुआ और वो गिरफ्तार कर लिया गया।

अब शिविर लगाकर मौके पर योजनाओं का फायदा देने की तैयारी

पंचायत और वार्डों से अब सीधे जुड़ेगी सरकार

मिशन- 2023 की तैयारी की तरफ बढ़ रही सरकार

पीएम के जन्मदिन से पहले डेढ़ माह तक चलेगा अभियान

भोपाल ■ प्रशासनिक संवाददाता

मप्र में अब विधानसभा चुनाव के लिए महज सवा साल का समय ही बचा है। ऐसे में सरकार मिशन -2023 की तैयारी की तरफ बढ़ रही है। इस कड़ी में अब सरकार की योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ मौके पर ही वोटरों को उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए सरकार अब पंचायत और वार्ड स्तर पर पहुंच को और बेहतर बनाने जा रही है। इसके लिए एक नहीं बल्कि दो-दो शिविर लगाए जाएंगे। इस बहाने वोटरों की नाराजगी दूर करने के साथ ही उन्हें साधने की पूरी तैयारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने मंगलवार को इस संबंध में साफ संकेत दे दिए हैं। मंत्रालय में कैबिनेट की औपचारिक बैठक से पहले उन्होंने मंत्रियों को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने सरकार की मंशा साफ कर दी। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य लोगों की जिन्दगी को बेहतर बनाना है। इस उद्देश्य से केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित हितग्राहीमूलक योजनाओं में शत-प्रतिशत हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्म-दिवस 17 सितम्बर से 31 अक्टूबर तक अभियान चलाया जाएगा। जिलों के प्रभारी मंत्री के मार्गदर्शन में जिला कलेक्टर अपने-अपने जिले में अभियान का नेतृत्व करेंगे। अभियान में सांसद, विधायक तथा जन-प्रतिनिधियों को भी जोड़ा जाए।

मंगलवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई।

अभियान कर्मकाण्ड नहीं यज्ञ होगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान में ग्राम पंचायत और वार्ड स्तर पर दो शिविर लगाए जाएंगे। जो व्यक्ति पात्र हैं और योजना से नहीं जुड़े हैं, उन्हें त्वरित रूप से प्रथम शिविर में मौके पर ही लाभान्वित किया जाएगा। जिन प्रकरणों में शिविर स्थल पर निराकरण संभव नहीं है, उन्हें विचार उपरांत दूसरे शिविर में निराकृत किया जाएगा और संबंधित व्यक्ति को निर्णय के संबंध में जानकारी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि गरीब कल्याण-किसान कल्याण और आम आदमी की बेहतरी के लिए चलाया जाने वाला यह अभियान कर्मकाण्ड नहीं अपितु यज्ञ होगा, जिसमें किसी भी पात्र व्यक्ति को वंचित नहीं रहने दिया जाएगा। अभियान में राज्य स्तर पर विभागों के अपर मुख्य सचिव तथा प्रमुख सचिव आवश्यक मार्गदर्शन और व्यवस्थाओं में समन्वय करेंगे।

यूपीए के 32 एमएलए सहित 41 नेता पहुंचे रायपुर, मेफेयर रिसॉर्ट में ठहरेंगे

षड्यंत्रकारियों को देंगे तरीके से जवाब : रांची में सीएम हेमंत बोले

रांची/रायपुर, (ब्यूरो)। झारखंड की राजधानी रांची में मंगलवार को सियासी हलचल एक बार फिर तेज हो गई। रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट से स्पेशल विमान ने यूपीए के 32 विधायकों सहित 41 नेता को रायपुर के लिए उड़ान भरी। कुछ देर में सभी रायपुर पहुंच गए। हालांकि, इनके साथ सीएम हेमंत सोरेन नहीं आए हैं।

एयरपोर्ट पर सीएम सोरेन ने कहा कि राज्य में षड्यंत्रकारियों को सत्ता पक्ष अपने तरीके से जवाब देगी। इसको लेकर सत्ता पक्ष पूरी तरह से तैयार है। हॉर्स ट्रेडिंग से बचने सरकार ने क्राइसिस मैनेजमेंट तैयार किया है। सूचना के मुताबिक बुधवार तक विधायक रायपुर में टिक सकते हैं। कांग्रेस के 13 और झामुमो के 19 विधायक रायपुर पहुंचे हैं।

मेयफेयर रिसोर्ट के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है। तीन थाना प्रभारियों के साथ दर्जनों जवानों को तैनात किया गया है। झामुमो के 30 में से 19 रायपुर पहुंचे। कांग्रेस के 18 में 13 विधायक रायपुर पहुंचे। झारखंड कांग्रेस प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष भी रायपुर पहुंचे। वहीं कांग्रेस के पांच और झामुमो के 11 विधायक अभी रायपुर नहीं आए हैं।

नौ साल की बालिका से रेप व हत्या के आरोपी को दूसरी बार भी फांसी

13 दिन में आरोपी को सुनाई फांसी की सजा

खंडवा जिला कोर्ट का फैसला

खंडवा, (आरएनएन)। नौ साल पहले ग्राम सुरगांव जोशी में नौ साल की बालिका से दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या के मामले तत्कालीन जिला सत्र न्यायाधीश द्वारा आरोपी को 21 वर्षीय अनोखीलाल पिता घासीराम निवासी ग्राम डाभिया खालवा को 13 दिन में फांसी की सजा सुनाई थी। इस मामले में 10 दिसंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील ने फांसी के फैसले को चुनौती देते हुए, तीन दलीले पेश की थी जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने प्रकरण को सुरक्षित रख। कोर्ट के प्रकरण में फिर से सुनवाई के आदेश जारी किए थे। घटना 30 जनवरी 2013 की है।

आरोपी ने अपने दोस्त की बेटी को बीड़ी लाने के बहाने किराना दुकान पर भेजा था। और खुद भी उसके पीछे चला गया था। बालिका का अपहरण कर दुष्कर्म के बाद गला घोंटकर हत्या कर दी थी। आरोपी को ट्रायल कोर्ट ने 4 मार्च 2013 को दुष्कर्म व हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई थी। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने सजा को यथावत रखा था।

4 सितंबर को जम्मू में आजाद की पहली रैली

नई पार्टी का एलान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री और पूर्व दिग्गज कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद कांग्रेस छोड़ने के बाद पहली पब्लिक रैली 4 सितंबर को करने जा रहे हैं। उनकी यह रैली जम्मू के सैनिक कॉलोनी में सुबह 11 बजे होगी। आजाद की पब्लिक रैली को लेकर कहा जा रहा है कि पब्लिक रैली के दौरान ही वे अपनी नई पार्टी का लोगों के बीच ऐलान कर सकते हैं। बता दें कि गुलाम नबी आजाद कांग्रेस छोड़ने के बाद उनकी तरफ से ऐलान हुआ है कि वे किसी भी पार्टी में शामिल नहीं होंगे। बल्कि अपनी खुद की एक पार्टी बनाएंगे और जम्मू-कश्मीर चुनाव लड़ेंगे।

EWS कोटा व मुस्लिम आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ करेगी सुनवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्य न्यायाधीश यूयू ललित की अध्यक्षता वाली पांच जजों की संविधान पीठ आईएएस कोटा व मुस्लिम एसईबीसी आरक्षण की वैधता को चुनौती देने वाले मामलों पर सुनवाई करेगी। संविधान पीठ 13 सितंबर से इस मामले में सुनवाई करेगी। जबकि 6 सितंबर को सुनवाई की रूपरेखा तय होगी।

छह सितंबर को तय होगी सुनवाई की रूपरेखा

दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षण (ईडब्ल्यूएस) की संवैधानिक वैधता और आंध्र में मुसलमानों को सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के रूप में दिए गए आरक्षण की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाले मामलों में 13 और 14 सितंबर को सुनवाई शुरू करेगी। सीजेआई यूयू ललित, जस्टिस दिनेश माहेश्वरी, जस्टिस एस रवींद्र भट, जस्टिस बेला एम त्रिवेदी, जस्टिस जेबी पारदीवाला की पांच जजों की पीठ ने मंगलवार को इन केसों को अगले मंगलवार 6 सितंबर की सुनवाई और पूरा करने के लिए समय सीमा निर्धारित करने का निर्णय लिया है।

इन मामलों को लेने के लिए सहमत हुई पीठः पीठ इन मामलों को लेने के लिए सहमत हुई हैं। बेंच पहले ईडब्ल्यूएस मामले को उठाएगी, उसके बाद मुस्लिम एसईबीसी आरक्षण मसले पर सुनवाई करेगी।

यह है मामलाः पीठ ने कहा कि मामलों की सुनवाई 13 और 14 सितंबर से शुरू होगी। मुस्लिम एसईबीसी आरक्षण से संबंधित मामला 2005 की दीवानी अपील है, जो यह मुद्दा उठाता है कि क्या संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 के तहत मुसलमानों को एक समुदाय के रूप में सामाजिक और शैक्षणिक रूप से पिछड़ा घोषित किया जा सकता है। दूसरा मामला संविधान 103वें संशोधन अधिनियम 2019 की वैधता से संबंधित है, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) (डब्ल्यूपी (सी) संख्या 55/2019) के लिए आरक्षण का प्रावधान पेश किया।

पहले स्वदेशी अटैक हेलीकॉप्टर की होगी तैनाती चोटियों पर भी करेगा लैंडिंग,

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना के पहले स्वदेशी अटैक हेलीकॉप्टर एलसीएच को जोधपुर में तैनात किया जाएगा। 3 अक्टूबर को जोधपुर में लाइट कॉम्बेट हेलीकॉप्टर (एलएसीएच) को वायुसेना में शामिल किया जाएगा। एलसीएच को स्वदेशी रक्षा उपक्रम, एचएएल ने तैयार किया है। पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा की कैबिनेट कमेटी (सीसीएस) ने इसी साल मार्च में 15 स्वदेशी लाइट अटैक हेलीकॉप्टर खरीदने की मंजूरी दी थी। 3,387 करोड़ में ये हेलीकॉप्टर एचएएल से खरीदे गए हैं। इनमें से 10 हेलीकॉप्टर वायुसेना के लिए हैं।

बाबरी विध्वंस व गुजरात दंगों से जुड़े केस बंद

सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बड़ा फैसला लेते हुए बाबरी मस्जिद विध्वंस और गुजरात दंगों से जुड़े मामलों को बंद करने का आदेश दिया है।

अदालत ने कहा कि गुजरात दंगों को लेकर दायर कई याचिकाओं का अब कोई अर्थ नहीं है। ऐसे में उन पर कार्रवाई को बंद किया जा रहा है। अदालत ने कहा कि गुजरात दंगों के 9 में से 8 मामलों में ट्रायल पूरा हो चुका है। इसके अलावा कोर्ट ने बाबरी मस्जिद विध्वंस से जुड़े अवमानना के मामले को भी बंद करने का आदेश दिया है। दरअसल सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद विध्वंस मामले में अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई को बंद करने का आदेश दिया है। दोनों ने ही इस मामले में माफी मांग ली है। दरअसल प्रशांत भूषण ने 2009 में एक इंटरव्यू में पूर्व और मौजूदा जजों पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। इस मामले में पैरवी करते हुए कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रशांत भूषण और तरुण तेजपाल ने माफी मांग ली है। इसलिए दोनों के खिलाफ केस को बंद किया जा सकता है।

प्रशांत भूषण और तेजपाल को किए थे नोटिस जारी

प्रशांत भूषण और तरुण तेजपाल को नवंबर 2009 में नोटिस जारी किए गए थे। प्रशांत भूषण ने इस पर सफाई देते हुए कहा था कि मैंने तहलका को 2009 में जो इंटरव्यू में दिया था, उसमें करप्शन शब्द का इस्तेमाल किसी विशेष चीज के लिए नहीं किया था। यह बात मैंने व्यापक संदर्भ में कही थी। इसका संबंध वित्तीय भ्रष्टाचार से नहीं है। यदि किसी जज या फिर उनके परिवार को इससे दुख पहुंचा हो तो मैं इसके लिए माफी मांगता हूं। प्रशांत भूषण ने अगस्त 2020 में अपने बयान पर माफी मांग ली थी।

सीएम ने राष्ट्रपति से की शिष्टाचार भेंट, मप्र आने का दिया निमंत्रण

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से शिष्टाचार भेंट की। श्रीमती मुर्मू के राष्ट्रपति बनने के बाद उनकी यह पहली सौजन्य भेंट थी। मुख्यमंत्री चौहान ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को पुष्प-गुच्छ भेंट कर प्रदेश की जनता की ओर से शुभकामनाएं दी। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश में विकास और जन-कल्याण के कार्यों, विशेष कर समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण की योजनाओं पर चर्चा की। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने मप्र में हो रहे जन-कल्याण कार्यों की प्रशंसा की। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू को मप्र आने का निमंत्रण दिया, जिसे राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने सहर्ष स्वीकार किया।

दुनिया के तीसरे सबसे बड़े धनकुबेर बने अडानी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी भारत के साथ-साथ एशिया के भी सबसे बड़े धनकुबेर हैं। आज से कुछ साल पहले भले ही दुनिया में काफी सारे लोग उनका नाम नहीं जानते होंगे, लेकिन अभी पूरी दुनिया उन्हें जान चुकी है। अब गौतम अडानी ने नेटवर्थ के मामले में नया रिकॉर्ड बना दिया है।

ब्लूमबर्ग के इंडेक्स के अनुसार, गौतम अडानी अब दुनिया के तीसरे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं।अडानी ऐसा करने वाले पहले एशियाई कारोबारी हैं। अडानी ने अब लुईस विट्टॉन के सीईओ एवं चेयरमैन बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़ दिया है। इंडेक्स के अनुसार, अडानी की नेटवर्थ बढ़कर फिलहाल 137.4 बिलियन डॉलर हो चुकी है। अब अडानी समूह के चेयरमैन से आगे सिर्फ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क और अमेजन के फाउंडर जेफ बेजोस हैं। मस्क की नेटवर्थ अभी 251 बिलियन डॉलर है, जबकि बेजोस के पास फिलहाल 153 बिलियन डॉलर की संपत्ति है।

आयोजन

उदयपुर में मेवाड़ की वीरांगना पन्ना धाय की प्रतिमा अनावरण के मौके पर कहा

भारत अब किसी से कमजोर नहीं : राजनाथ

उदयपुर/नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है भारत एक मजबूत, विश्वस्त एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र बन गया है, जो किसी से भी कमजोर नहीं है और सभी प्रकार के खतरों तथा चुनौतियों से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। श्री सिंह ने मंगलवार को उदयपुर में मेवाड़ की वीरांगना पन्ना धाय की प्रतिमा का अनावरण करने के मौके पर कहा कि पिछले आठ वर्षों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों से सशस्त्र सेनाओं में नया विश्वास पैदा हुआ है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत ने कभी किसी देश पर हमला नहीं किया है, न ही एक इंच विदेशी भूमि पर कब्जा किया है, लेकिन अगर कोई राष्ट्र की संप्रभुता, एकता और अखंडता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता है, तो मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पिछले आठ वर्ष का परिणाम है कि भारत अब कमजोर नहीं रहा। हमने आतंकवाद पर अपना रुख स्पष्ट किया जब हमारी सशस्त्र सेनाओं ने जबरदस्त पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक और 2019 में बालाकोट एयरस्ट्राइक की। उन्होंने कहा कि यह इस बात का प्रमाण था कि भारत की सैन्य शक्ति किसी देश से कम नहीं है। उन्होंने राष्ट्र को आश्वासन दिया कि भारत विरोधी तत्वों से लोगों की रक्षा के लिए सशस्त्र सेनाओं को पूरी मुस्तैदी के साथ तैनात किया गया है। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि श्री मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर भारत की नींव रखी गई है और यह सशक्त एवं आत्मनिर्भर नया भारत शक्तिशाली देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने रक्षा मंत्रालय द्वारा रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए कई कदमों को सूचीबद्ध किया, जिसमें 310 मदों की तीन सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियां जारी करना और केंद्रीय बजट 2022-23 में घरेलू उद्योग के लिए पूंजीगत खरीद बजट का 68 प्रतिशत निर्धारित करना शामिल है।

रक्षा निर्यात आठ साल में 13 हजार करोड़ हुआ

उन्होंने कहा कि रक्षा निर्यात आठ साल पहले लगभग 900 करोड़ रुपए था, अब बढ़कर लगभग 13,000 करोड़ रुपये हो गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक 2.75 लाख करोड़ रुपए के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा गया है और विश्वास जताया कि भारत इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने उन भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई जो न केवल देश के भीतर, बल्कि दुनिया के अन्य हिस्सों में भी रहते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि रूस के साथ मौजूदा स्थिति के बीच यूक्रेन से भारतीय नागरिकों की सुरक्षित वापसी, प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रधानमंत्री के संकल्प का प्रमाण है।श्री सिंह ने संग्राम सिंह प्रथम, जो राणा सांगा के नाम से लोकप्रिय थे, के चौथे पुत्र उदय सिंह द्वितीय की 16वीं सदी में दाई रही पन्ना धाय की प्रतिमा का अनावरण किया।

मुंबई मेट्रो लाइन-3 का परीक्षण परिचालन आरंभ

मुंबई, (एजेंसी)। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमएमआरसीएल) ने मंगलवार को आरे कॉलोनी के सारिपुट नगर में कोलाबा-बांद्रा-एसईईपीजेड मेट्रो लाइन-तीन का परीक्षण परिचालन आरंभ किया। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पूर्वाह्न 11 बजे परीक्षण परिचालन (ट्रायल रन) के तहत मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर फडणवीस ने कहा कि मेट्रो लाइन-तीन (कार शेड) परियोजना का विरोध पर्यावरणीय कारणों से ज्यादा राजनीतिक वजहों से किया गया। मुंबई मेट्रो की तीसरी लाइन में 33.5 किलोमीटर लंबा भूमिगत मार्ग शामिल है।

गिरफ्तारी के कुछ घंटे बाद ही अस्पताल पहुंचे केआरके

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कमाल आर खान उर्फकेआरके को मुंबई से गिरफ्तार किया गया। हालांकि गिरफ्तार होने के कुछ घंटों बाद ही केआरके को शताब्दी अस्पताल लाया गया।

केआरके ने छाती में दर्द की शिकायत बताई जिसके बाद उन्हें अस्पताल लाया गया। बता दें कि केआरके को मलाड़ पुलिस द्वारा सोमवार रात को गिरफ्तार किया। वह जब दुबई से मुंबई वापस आए तब मुंबई एयरपोर्ट पर ही उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्हें 2020 में किए उनके ट्वीट्स की वजह से गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ने फिर उन्हें 14 दिन के लिए हिरासत में भेज दिया है। केआरके के वकील सैद खान ने बताया कि उन्हें अक्षय कुमार व उनकी फिल्म लक्ष्मी बॉम्ब के खिलाफ किए ट्वीट्स की वजह से गिरफ्तार किया है।

संपादकीय

न्याय के लक्ष्य

पिछले कुछ वर्षों में महामारी के दौर में जहां जनजीवन गहरे तक प्रभावित रहा, वहीं न्यायिक प्राथमिकताएं भी इसके चलते सिरे नहीं चढ़ सकीं। अब इस दिशा में देश की शीर्ष अदालत ने पहल की है। देश के 49वें मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित ने कार्यभार संभालने के पहले ही दिन लंबित महत्वपूर्ण विषयों को पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष रखने का फैसला किया है। ये वे महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जो हाल के दिनों में न्यायिक विमर्श में नहीं आ पाये। जो यह रेखांकित करता है कि सुप्रीम कोर्ट महज अपीलीय अदालत ही नहीं है वरन महत्वपूर्ण मुद्दों के संवैधानिक प्रावधानों की व्याख्याकार भी है। भारत के नये मुख्य न्यायाधीश जस्टिस यू.यू. ललित के पदभार संभालने के तुरंत बाद सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था में बदलाव का संकेत महत्वपूर्ण है। मामलों में त्वरित सुनवाई के लिए अब एक सितंबर से नयी व्यवस्था लागू कर दी जायेगी। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट के वर्तमान न्यायाधीश का कार्यकाल छोटा है, लेकिन उनकी प्राथमिकता न्याय के दीर्घकालीन लक्ष्यों को लेकर केंद्रित है। उनका मानना है कि अदालत की संविधान पीठ पूरे वर्ष कार्य करेगी ताकि महत्वपूर्ण मामलों में व्यवस्था देने में विलंब न हो। बताया जाता है कि शीर्ष अदालत के सामने ऐसे पांच सौ मामले लंबित हैं, जिनमें से 41 मामले अधिक महत्वपूर्ण हैं। संविधान पीठ के सामने ये महत्वपूर्ण मुद्दे प्राथमिकता के तौर पर रहेंगे जिसमें अनुच्छेद 370 पर फैसले की संवैधानिकता पर विचार भी शेष है। इसमें दो राय नहीं है कि शीर्ष अदालत समेत देश की तमाम अदालतें लंबित मामलों से दबाव में हैं। देश की शीर्ष अदालत को ही लें तो उसके समक्ष लंबित मामलों की संख्या 71 हजार से अधिक हो गई है। हालांकि हाल के वर्षों में न्यायाधीशों के स्वीकृत पदों में आशातीत वृद्धि हुई है। फिर भी निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने भी सभी महत्वपूर्ण लंबित मामलों को सूचीबद्ध न कर पाने पर खेद जताया है। लेकिन उन्हें इस बात का श्रेय दिया जाता है कि महामारी के मुश्किल दौर में कॉलेजियम की सिफारिश पर उच्च न्यायालयों में ढाई सौ से अधिक न्यायाधीशों की नियुक्ति हुई।

निस्संदेह देश की अदालतों में वादों के भारी बोझ को देखते हुए इनके निस्तारण हेतु कारगर व्यवस्था करने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जाती रही है। इसके लिये जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर न्यायाधीशों व न्यायिक अधिकारियों की रिक्तियों को तुरंत भरा जाये। साथ ही बुनियादी ढांचे में व्याप्त उन कमियों को दूर किया जाये, जिसके चलते न्यायालयों में लंबित मुकदमों का भारी दबाव बना हुआ है। न्याय की अवधारणा तभी सार्थक होती है जब वादी को सहज-सरल व समय पर न्याय उपलब्ध हो सके। न्याय के त्वरित निस्तारण में आधुनिक तकनीकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। इस दिशा में कारगर कदम उठाने की जरूरत है। वर्ष 2018 में सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने ओपन कोर्ट की अवधारणा का उल्लेख किया था। इसी क्रम में संवैधानिक अथवा राष्ट्रीय महत्व के मामलों के सीधे प्रसारण को संविधान पीठ के समक्ष अनुमति दी गई थी। लेकिन यह निर्णय क्रियान्वित नहीं हो पाया। लेकिन शीर्ष अदालत ने पहली बार इस दिशा में पहल की जब मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण की विदाई वाली औपचारिक पीठ की कार्यवाही के सीधे प्रसारण की अनुमति दी गई। उल्लेखनीय है कि वर्तमान में छह उच्च न्यायालय अपनी न्यायिक कार्यवाही का सीधा प्रसारण करते हैं। बहरहाल, मौजूदा परिदृश्य में आम आदमी को शीघ्र व सहज न्याय दिलाने के लिये न्यायिक तंत्र व सरकार को सार्थक प्रयास करने होंगे। साथ ही अदालतों के मुकदमों के बोझ को कम करने के लिये व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। बढ़ती आबादी के अनुपात में न्यायाधीशों के पदों का होना जरूरी है। व्यावहारिक पहल में अवकाश प्राप्त न्यायाधीशों का सहयोग लेने, दो पाली में अदालत लगाने, फास्ट ट्रेक कोर्ट की स्थापना, लोक अदालत जैसे कदमों को प्राथमिकता देनी होगी। जिसमें आधुनिक तकनीकों की प्राथमिकता को भी न्यायमूर्ति एनवी रमण उपयोगी बता चुके हैं। बहरहाल, सरकारों को न्यायाधीशों के रिक्त पदों को भरने को लेकर उदासीनता दूर करनी होगी। निस्संदेह,राजनीतिक इच्छा शक्ति इस मामले में निर्णायक भूमिका निभा सकती है।

कांग्रेस चुनेगी अध्यक्ष

इस बात में कोई शक-शुबहा नहीं है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस इस वक्त अपने सबसे खराब दौर में है। एक के बाद एक कई वरिष्ठ नेता पार्टी से 'हाथ' छुड़ाकर दूसरी राजनीतिक पार्टी का दामन थाम रहे हैं। खासकर पिछले 50 वर्ष से पार्टी की सेवा करने वाले गुलाम नबी आजाद के पार्टी त्यागने के बाद अब यक्ष प्रश्न यही है कि क्या पार्टी फिर से वर्षों पुराना ओज और संकल्प शक्ति वापस पा सकेगी? सवाल बहुतेरे हैं, मगर जवाब मिलना शायद ज्यादा कठिन है। गांधी परिवार की होकर रह गई कांग्रेस को अब गैर गांधी परिवार से उसका अध्यक्ष मिलने की उम्मीद तो बंधी हैग मगर इसमें भी कई किंतु-परंतु है। कांग्रेस कार्यसमिति की रविवार को हुई बैठक में सिर्फ अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर चर्चा हुई। 17 अक्टूबर को चुनाव की तरीख का ऐलान हुआ और 19 को नये अध्यक्ष के ऐलान की बात बताई गई। गांधी परिवार ने पहले ही यह कह रखा है कि वो अध्यक्ष का चुनाव नहीं लड़ेंगे। यानी यह तो तय है कि आने वाला अध्यक्ष गांधी परिवार से नहीं होगा। हां, दो वरिष्ठ नेताओं क्रमशः आनंद शर्मा और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए। शर्मा ने जहां प्रदेशों में ब्लाक, जिला और राज्य स्तर पर एआइसीसी प्रतिनिधियों की सूची को लेकर शिकायतों का मुद्दा उठाया वहीं चव्हाण ने 'कठपुतली अध्यक्ष' यानी पर्दे के पीछे से पार्टी चलाने की किसी भी कोशिश को लेकर आशंका जाहिर की। साफ तौर पर अब पार्टी में नेतृत्व के खिलाफआवाज उठाने वाले सामने आने लगे हैं। हालांकि वरिष्ठ नेताओं की इस 'आक्रामकता' को आलाकमान किस नजरिये से देखता है, यह आने वाला समय ही बताएगा। खास बात यह है कि करीब 21 वर्ष के बाद पार्टी के अध्यक्ष पद को लेकर चुनाव होने जा रहा है। 2001 में जितेंद्र प्रसाद ने सोनिया गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। एक नाम राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का चर्चा में है। देखना है, गहलोत या गांधी परिवार इसे लेकर कितनी गंभीर है। कुल मिलाकर कांग्रेस की 2014 के बाद की सुस्ती और चुनाव-दर-चुनाव शिकस्त खाने के कारण पार्टी का आत्मविश्वास लस्त-पस्त हो गया है। देखना है, दिवाली से पहले नया अध्यक्ष पाने के बाद देश पर वर्षों शासन करने वाली पार्टी का खेवनहार कौन होता है?

टू दि प्वाइंट/अलोक पुरणिक

फुरसत के रात-दिन

कोई कहता है कि भारत कृषि प्रधान देश है, कोई कहता है कि भारत नेता प्रधान देश हैग पर असल बात यह है कि भारत फुरसत प्रधान देश है। इस कदर फुरसत है इस मुल्क में कि नोएडा में दो टावरों को गिराने की बात थी, सारे टीवी चैनल रिपोर्टर पहुंचे हुए थे। तमाम लोग घर पर अपना सारा काम धाम रोककर देखने में जुटे थे कि हाय कैसे गिरते हैं टावर।

फुरसतप्रधान मुल्क कर राखा, विश्व-गुरु का यह है खाका-मैं कभी डरता हूं कि ऐसी ऐसी बातों में टाइम खर्च कर रहे हैं हम लोग, विश्व गुरु कैसे बनेंगे। जेसीबी की खुदाई हो रही थी उस ठिकाने पर, सैकड़ों लोग जमा थे-क्या कर रहे थे-जेसीबी की खुदाई देख रहे थे। कई-कई घंटे सिर्फ जेसीबी की खुदाई देख रहे थेग ना खुदने वाली जगह अपनी, न जेसीबी अपनी, पर घंटों घंटों जेसीबी की खुदाई ही देख रहे हैं। एक जापानी इंजीनियर ने मुझे बताया कि उसने ऐसा आविष्कार किया है, जिससे मोबाइल की प्रोसेसर की गति में प्रति घंटा छह सेकेंड का सुधार आ जाएगा, प्रोसेसर की गति छह सेकेंड तेज हो जाएगी।

बस मोबाइल थोड़ा महंगा हो जाएगा। मैंने कहा-हम भारतीय लोग हैं, पांच घंटे जेसीबी की खुदाई को देखने में लगा सकते हैं और कई दिन नोएडा टावरों के ब्लास्ट को देखने में लगा सकते हैं, छह सेकेंड क्या औकात रखते हैं हमारे लिए। करना क्या है दुनिया जीतकर, बहुत धन-दौलत कमा कर, बहुत पद नाम कमा कर, जो आनंद निर्मल भाव से जेसीबी की खुदाई देखने में आता है, वह अद्भुत है।

एक तस्वीर उभर रही है-सिकंदर विश्व विजय के लिए निकला है। एक जगह एक फकीर लेटा हुआ है रास्ते में। सिकंदर कह रहा है-मुझे जगह दो आगे निकलना है। दुनिया जीतने जाना है। फकीर ने कहा-क्या करेगा दुनिया जीतकर।

सिकंदर ने कहा-दुनिया जीतकर फिर आराम करुंगा, आनंद लूंगा।

फकीर ने बताया-बगल में बैठ जा और जेसीबी खुदाई देखने का आनंद ले फिर टावरों के ब्लास्ट को देखने का आनंद ले यही असल आनंद है।

सिकंदर को समझ में आ गया है कि उसकी एंट्री अब भारत में हो गई है।

भगवान गणेश का रहस्य और वर्तमान सामूहिक उपासना

गिरीश जोशी

सनातन से विपरीत विचार रखने वाले या नास्तिक लोगों द्वारा उठाए गए एक प्रश्न से भगवान गणेश को समझने का प्रयास करते हैं। ये लोग पूछते हैं कि हिंदू अपने सभी मंगल कार्यों कि शुरुआत गणेश पूजन से करते हैं, तो भगवान शिव और पार्वती जो कि उनके माता-पिता हैं उनके विवाह के समय प्रथम पूजन किसका हुआ होगा। इस प्रकार के प्रश्नों से अनेकों बार सनातन के अनुगामी बुद्धिजीवी खास कर युवा भी भ्रमित हो जाते हैं, उनको यह प्रश्न बड़ा तार्किक लगता है। इसका उत्तर जानने के लिए गणपती अथर्वशीर्ष के प्रथम श्लोक को देखते हैं जिसमें कहा गया है- 卐त्वमेव प्रत्यक्षं तत्त्वमसि ॥ त्वमेव केवलं कर्तासि ॥ त्वमेव केवलं धर्तासि ॥ त्वमेव केवलं हर्तासि ॥ त्वमेव सर्वं खल्विदं ब्रम्हासि ॥ त्वं साक्षादात्मासि नित्यम्卐 इसके श्लोक के द्वारा भगवान गणेश के लिए उसी ब्रह्म तत्व को इंगित किया गया है जो ब्रह्मतत्व अथवा परमेश्वर इस सृष्टि का सृजनकर्ता है जो आदि , अनादि और अनंत है यानि जिसका न तो आरंभ है और न ही अंत ।

हम जानते हैं कि ब्रह्मतत्व निर्गुण और निराकार है। वो सृष्टि का सृजन, पालन और विसर्जन करता है। सृष्टि के परिचालन के इन मुख्य कामों को करने के लिए वो विशेष स्वरूप ग्रहण करता है। हमारे शास्त्रों में इसे स्पष्ट किया गया है कि सृजन का कार्य ब्रह्मा,पालन का विष्णु और विसर्जन का कार्य शिव के माध्यम से होता है। लेकिन किसी भी कार्य को करने के लिए किसी स्थान की आवश्यकता होती है या कहें कि आधार की आवश्यकता होती है। सृष्टि संचालन की इन तीनों क्रियाओं के लिए इस अखिल ब्रह्मांड का आधार कौन है इसे समझने के लिए फिर से अथर्वशीर्ष की एक उक्ति को देखते हैं जो कहती है - 'त्वं मूलाधारः स्थितोसि नित्यम ॥' इसका अर्थ है कि मनुष्य के शरीर में जो सात चक्र हैं उसमें सबसे पहला चक्र मूलाधार है, वहां श्री गणेश का वास होता है। किंतु हमारे शास्त्रों की एक और उक्ति 'यत पिंडे तत ब्रह्मांडे' से यह स्पष्ट होता है कि भगवान गणेश प्रत्येक मानव के मूलाधार में ही नहीं बल्कि इस अखिल ब्रह्मांड के मूलाधार में स्थित हैं। यानी ब्रह्म या परमेश्वर ने इस सृष्टि के परिचालन का मूल आधार भगवान गणेश के रूप में अंगीकार किया है और भगवान गणेश इस सृष्टि की आरंभ से विद्यमान है ।

जब माता पार्वती ने मिट्टी की मूरत बनाकर उसमें प्राण तत्व की स्थापना करने के लिए शक्ति का आह्वान किया तब वो गणेश तत्व जो पूर्व से ही विद्यमान रहा है उसका अंश उस मिट्टी की मूरत में आकर प्रतिष्ठित हुआ। हम मंदिर बनाते हैं, उसमें पत्थर अथवा धातु की मूर्ति स्थापित कर प्राण प्रतिष्ठा की विधि पूर्ण करते हैं तब उस मूर्ति का चैतन्य दर्शनीय होता है। जब मानव के पास ये क्षमता है तब स्वयं आदिशक्ति का आह्वान करें तो निश्चित ही परम तत्व का ही आगमन होता है।

इस सृष्टि चक्र के परिचालन में किसी विशेष प्रयोजन के लिए जब ब्रह्म कोई विशेष अवतार ग्रहण करता है तब अनेक विलक्षण बातें सृष्टि में घटती है। हम संतों के जीवन चरित्रों को पढ़ते समय उनके जन्म के समय घटी अनेक चमत्कारी घटनाओं का वर्णन पढ़ते हैं। यदि संत के जन्म पर ऐसी चमत्कारिक घटनाएं घटती हैं तो जब स्वयं ब्रह्म का अंश किसी देवता के स्वरूप में पृथ्वी पर अवतरित होता है तब कितने चमत्कार घटते होंगे

> भगवान गणपति, गणों के पति यानी सेनापति भी हैं। भगवान गणेश ने सतयुग में देवांतक व नरांतक नामक असुरों का संहार किया था। उसी तरह त्रेता युग में सिंधु, द्वापर में सिंदूरासुर के साथ मत्सासुर, मदासुर, मोहासुर,कामासुर, लोभासुर, क्रोधासुर, मामासुर, अहंतासुर जैसे असुरों के संहार का वर्णन शास्त्रों में मिलता है। भगवान गणपति चतुर्भुज हैं, वे अपने एक हाथ में ज्ञान के प्रतीक मोदक को रखते हैं, दूसरे हाथ से हमें आशीर्वाद देते हैं। तीसरे व चौथे हाथ में 卐पाश और अंकुश' धारण किए हुए हैं। वर्तमान परिस्थिति में गणपति के मोदक और लड्डू पर ध्यान देने के अलावा 'पाश और अंकुश' पर ध्यान देना भी आवश्यक हो गया है।

इसका विचार किया जा सकता है।

कलयुग के पूर्व द्वापर में जब उस परमतत्व का श्री कृष्ण के रूप में अवतरण हुआ तब कितनी विलक्षण घटनाएं घटी थीं ये हम पौराणिक - ऐतिहासिक ग्रंथों में पढ़ते ही हैं। भगवान गणेश का जन्म तो उसके भी पूर्व की घटना है। उस दिव्य शक्ति के अवतरण के बाद जो भी घटनाएं घटीं खासकर भगवान शिव से उनका द्वंद्व, सिर का काटा जाना, हाथी के बच्चे का सिर उनके धड़ पर लगाना, इन सारी घटनाओं का विश्लेषण अनेक ग्रंथों में किया गया है ।

गणेश चतुर्थी से भगवान गणेश की आराधना-उपासना दस दिनों के लिए की जाती है क्योंकि उस समय धरती पर गणेश तत्व की पृथ्वी से अधिक निकटता रहती है। उस अवधि में गणपति की उपासना करने पर हमारा चित्त गणपति चैतन्य के साथ सहजता से जुड़ जाता है। भगवान गणेश सृष्टि का आधार हैं, सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत हैं। सृष्टि में जहां से सृजन होता है, रचनात्मकता प्रस्फुटित होती है। इसीलिए भगवान गणेश रचनात्मकता और सृजनशीलता के अधिष्ठाता हैं।

आज हमें साहित्य, फिल्म, नाट्य, मूर्ति, चित्रकला, नृत्य, निर्माण आदि क्षेत्र में रचनात्मकता, सृजनशीलता और नवीनता में कमी दिखाई दे रही है। उसका मूल कारण ये है कि इन क्षेत्रों में कार्य करने वाले रचनात्मकता के इस नित्य चिरंतन स्रोत से दूर होते दिखाई पड़ते हैं। यदि कला साधक सतत गणपति की उपासना करें, आराधना करें, उनका ध्यान करें तो उनके भीतर ईश्वर प्रदत्त रचनात्मकता, सृजनशीलता की धारा कभी कुंद नहीं हो सकती। कलाकारों, साहित्यकारों, लेखकों, अभिनेताओं आदि को इस रहस्य को समझना पड़ेगा। जिस तरह मोबाइल फोन का उपयोग करने के लिए बैटरी को चार्ज करना पड़ता है उसी तरह हमारे भीतर की रचनात्मकता को चिरंतन बनाए रखने के लिए उसे ब्रह्मांड की रचनात्मकता के मूल स्रोत के साथ जुड़कर रिचार्ज करना ही पड़ेगा ।

गणपति की उपासना को व्यक्तिगत स्तर से उठाकर सामाजिक स्तर पर लाने का विलक्षण विचार लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक को सूझा था। उन्होंने गणपति उपासना को सामाजिक स्वरूप प्रदान कर इस प्रकार के कार्यक्रमों की रचना दस दिन के लिए की ताकि आने वाली पीढ़ी हमारी परंपराओं और संस्कृति से जुड़ सकें, साथ ही समाज को जागृत कर उसे अंग्रेजों के विरुद्ध खड़ा कर देश को स्वतंत्र किया जा सके क्योंकि तत्कालीन परिस्थिति में समाज व देश के लिए वो सर्वोच्च प्राथमिकता थी।

आज की स्थिति में देखें तो ध्यान में आता है की समय काल परिस्थिति के कारण कार्यक्रमों के स्वरूपों में बदलाव हुआ है। लेकिन ये बदलाव कितना समाजहित में है, देशहित में है, इसे समझने की आवश्यकता है। आज गणपति उत्सव के कार्यक्रम की योजना बनाते समय आयोजकों को इस बात का विचार करना होगा की वर्तमान में हमारे देश की जो समस्याएं हैं उनका निराकरण करने के लिए समाज को किन बातों के प्रति जागरूक करना है, समाज को देश विरोधी ताकतों के खिलाफ संगठित करने के लिए किस प्रकार के प्रबोधन की आवश्यकता है और भविष्य में जो चुनौतियां हमारे समाज और राष्ट्र के सामने आने वाली है उन चुनौतियों का सामना करने के लिए समर्थ-सक्षम समाज और राष्ट्र का निर्माण करने हेतु नवीन पीढ़ी को गढ़ने के लिए हमें किस प्रकार के कार्यक्रमों की रचनाएं करना है ।

उदाहरण के लिए देखें तो आज पर्यावरण असंतुलन एक बड़ी चुनौती के रूप में हमारे सामने खड़ा है। जो भविष्य के लिए बड़ी चिंता का कारण बन सकता है। इसीलिए पर्यावरण से संबंधित सभी आयामों पर समाज को जागृत करने की गतिविधि इन दस दिनों के उत्सव में की जा सकती है। उसी तरह आज हमारे परिवार वर्तमान परिस्थिति के कारण छोटे होते जा रहे हैं और नई पीढ़ी को जिस प्रकार के संस्कार परंपरागत रूप से मिलते थे उसमें कमी आती दिखाई देती है। इसीलिए आयोजन से जुड़े प्रत्येक कुटुंब का प्रबोधन इस विषय में हो सके इस बात का विचार भी कार्यक्रम को करते समय कर सकते हैं ।

देशविरोधी ताकतें समाज में वैमनस्य फैलाकर देश को टुकड़ों-टुकड़ों में बांटने का मंसूबा लिए समाज के बीच खाई खोदने का षड्यंत्र रचती रहती है। इन गतिविधियों पर लगाम लगाने के लिए समाज में समरसता बढ़ाने के उद्देश्य वाले कार्यक्रमों को शामिल किया जा सकता है। नई पीढ़ी को सनातन धर्म की आधारभूत जानकारी देने के लिए हमारे मूल ग्रंथों जैसे रामायण, महाभारत, गीता, पुराण, उपनिषद, वेदों की शिक्षा देकर धर्म के प्रति समाज का जागरण किया जा सकता है। इस प्रकार धर्म जागरण के लिए जो काम करना है तथा जिन बातों से बचना है उनके प्रति समाज की विचारशीलता को गणपति उत्सव के माध्यम से बढ़ाया जा सकता है।

भगवान गणपति, गणों के पति यानी सेनापति भी हैं। भगवान गणेश ने सतयुग में देवांतक व नरांतक नामक असुरों का संहार किया था। उसी तरह त्रेता युग में सिंधु, द्वापर में सिंदूरासुर के साथ मत्सासुर, मदासुर, मोहासुर,कामासुर, लोभासुर, क्रोधासुर, मामासुर, अहंतासुर जैसे असुरों के संहार का वर्णन शास्त्रों में मिलता है। भगवान गणपति चतुर्भुज हैं, वे अपने एक हाथ में ज्ञान के प्रतीक मोदक को रखते हैं, दूसरे हाथ से हमें आशीर्वाद देते हैं। तीसरे व चौथे हाथ में 卐पाश और अंकुश' धारण किए हुए हैं। वर्तमान परिस्थिति में गणपति के मोदक और लड्डू पर ध्यान देने के अलावा 'पाश और अंकुश' पर ध्यान देना भी आवश्यक हो गया है। आज के समय में देश विरोधी ताकतें जिस प्रकार से समाज में वैमनस्य को बढ़ाने वाले विमर्श स्थापित करने में लगी हैं उन्हें रोकने के लिए विवेक के 'अंकुश' का उपयोग समाज को बढ़ाना होगा। उसी तरह हमारे समाज को अपसंस्कृति की जंजीरों से बांधने का प्रयास अलग-अलग माध्यमों से हो रहा है। इन जंजीरों को अपने सनातन मूल्यों के विचार 'पाश' से काट कर समाज को देश के प्राचीन सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का काम करने की आवश्यकता है। हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को दूषित करने का काम जो तत्व, बातें, विचार करते हैं उन पर 'अंकुश' का उपयोग करना और हमारे समाज व राष्ट्र पर बांधी जा रही कुविचारों की बेड़ियों को काटने के लिए सदविचारों के 'पाश' का उपयोग करना जरूरी है। इन कामों में सफलता निश्चित मिलेगी इस बात का आश्वासन भगवान गणेश की अभय मुद्रा हमें देती है। परिणाम के रूप में मन में जो मोद यानी आनंद उत्पन्न होगा वो मोदक के रूप में भगवान के प्रसाद स्वरूप प्राप्त होगा। आज के समय में राष्ट्र एवं समाज की दृष्टि से यही सच्ची गणेश उपासना होगी ।

विचार मंथन

ट्विन टावर के मकड़जाल में निवेशक और बैंक ठगे गए

सिद्धार्थ शंकर

-पतली गली से बच निकलेंगे,राजनेता और अधिकारी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा की 32 मंजिला ट्विन टावर को विस्फोटक लगाकर जमींदोज कर दिया गया।कई वर्षों में तैयार टावर मात्र 9 सेकंड में जमींदोज हो गए। देश का 500 करोड़ रुपया एक ही झटके में मलबे में तब्दील हो गया। मीडिया में ट्विन टावर को गिराने को लेकर संस्थाएं अपनी पीठ थपथपा रही हैं। कोई यह जवाब नहीं दे पा रहा है, कि 500 करोड़ रुपए की यह बहु मंजिला इमारत के लिए नियमों को बदलने वाले और बिल्डर को स्वीकृति देने वाले राजनेता और अधिकारी क्यों बचे रह गए।

समरथ को नहिं दोष गुसाईं की तर्ज पर सुप्रीम कोर्ट का कहर बिल्डर्स के ऊपर गिरा। बिल्डर ने बैंकों से करोड़ों रुपए फाइनेंस करा रखे थे। सरकारी अनुमतियाँ दिखाकर बिल्डर ने फ्लैट बुक करने वालों से करोड़ों रुपए जमा कराए थे। देश के 500 करोड़ रुपए बिल्डिंग बनाने में खर्च हुए थे। उसे गिराकर हम खुश हो रहे हैं। इतने बड़े राष्ट्रीय नुकसान के लिए जिम्मेदार राजनेताओं और अधिकारियों की यदि संपत्ति भी जप्त हो जाती, तो भविष्य में इस तरह की गड़बड़ी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी करने सेजिम्मेदा लोग डरते। सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा ऐतिहासिक फैसला किया है।लेकिन अधिकारियों और राजनेताओं पर कार्यवाही ना करने से यह फैसला अधूरा लग रहा है।

सुपर टेक कंपनी के इस प्रोजेक्ट को पहले 10 मंजिला की अनुमति मिली थी। लिमिटेड कंपनी होने के कारण इसमें निवेशकों का पैसा जमा है।2 बार नियमों में परिवर्तन कर राजनेताओं ने सीमा बढ़ाई। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी के अधिकारियों ने 32 और 40 मंजिला टावर बनाने की अनुमति दी। बैंकों ने फाइनेंस किया। निवेशकों ने अनुमतियां देखकर फ्लैट बुक किए।करोड़ों रुपए का निवेश प्रोजेक्ट में किया। रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हुई। सुप्रीम कोर्ट में सारे तथ्य सामने आए। भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी की जड़ बने राजनेताओं और अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई ना करके, सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें एक तरह से बचने का मौका उपलब्ध करा दिया है।

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव, वर्तमान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में नियमों में परिवर्तन हुआ। राजनेता समय-समय पर बड़ी तेजी के साथ नियमों को बदल देते हैं। यह सभी नियम बड़े प्रोजेक्ट बड़ी रिश्वत के कारण ही बदले जाते हैं। नियम आम आदमी के लिए होते हैं। नोएडा डेवलपमेंट अथॉरिटी ने नियमों में बदलाव होने के बाद परमिशन जारी की। प्रथम दृष्टया इसके लिए 26 अधिकारियों को दोषी मानते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एफआईआर दर्ज करने के आदेश जारी कर दिए हैं। इन अधिकारियों पर कब मुकदमा दर्ज होगा, कब कार्यवाही होगी, कब गिरफ्तारी होगी। कितने साल मुकदमा चलेगा। जिन 26 अधिकारियों पर एफआइआर के आदेश हुए हैं। उन पर कितने वर्ष तक मुकदमा चलेगा। कितने वर्षों में अंतिम निर्णय आएगा, इसकी कोई समय सीमा नहीं है। 19 अधिकारी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। सात वर्तमानअधिकारी सेवा में हैं। जिम्मेदार राजनेता, जिन्होंने नियमों में परिवर्तन किए हैं।उसके बारे में कोई जिम्मेदारी निर्धारित नहीं की जा रही है। जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने सुपरटेक लिमिटेड के टावरों को ढहाने तथा निवेशकों को जमा राशि वापस करने के आदेश दिए हैं। जिन लोगों ने टावर में फ्लैट बुक कराए थे। जिन बैंकों ने कंपनी को फाइनेंस किया था।उनको एक लंबी कानूनी लड़ाई अपना जमा पैसा वापस लेने के लिए लड़नी पड़ेगी। दोनों टावर गिर गए हैं। केवल जमीन बची रह गई है। सुपरटेक लिमिटेड पर भारी कर्जा है। पैसा वापसी के लिए वर्षों मुकदमा लड़ना पड़ेगा, कब पैसा वापस मिलेगा। इसको लेकर अब एक नई लड़ाई शुरू होगी। सुप्रीम कोर्ट के ऑर्डर में राजनेताओं और अधिकारियों की गड़बड़ियों और अपराध के बारे में कोई स्पष्ट निर्णय नहीं है। जिसके कारण इनको बच निकलने का पूरा मौका मिल गया है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय की सराहना हो रही है। वहीं आम जनता के मन में 500 करोड़ रुपए के राष्ट्रीय धन का इस तरह नुकसान होना, जिम्मेदार राजनेताओं और अधिकारियों पर त्वरित कठोर कार्यवाही ना होना, चिंता का विषय बना हुआ है।होना तो यह चाहिए था जिन राजनेताओं ने नियमों को बदलने का निर्णय लिया था। जो सारी गड़बड़ी की जड़ है। जिन अधिकारियों ने गलतअनुमति दी थी। उनकी संपत्तियां जप्त कर रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का संदेश सुप्रीम कोर्ट को देना था।

ताइवान प्रकरण

द. एशिया में बढ़ेगा भारत का प्रभुत्व

किरण लाम्बा

अमेरिकी हाउस की स्पीकर नैंसी पेलोसी जब पिछले दिनों ताइवान पहुंचीं तो दुनिया भर की निगाहें यहां टिक गई।

पिछले ढाई दशकों में यह पहला मौका था जब अमेरिका का कोई इतना बड़ा नेता ताइवान पहुंचा था। हालांकि अमेरिका ने जब स्पीकर नैंसी की यात्रा का ऐलान किया तो चीन आगबबूला हो गया था और इस यात्रा को बेहद खतरनाक करार दिया था और परिणाम भुगतने तक की धमकी दे डाली थी। एक मौका ऐसा भी आया जब लगा कि पेलोसी ताइवान नहीं जाएंगी, लेकिन चेतावनी और धमकियों के बावजूद वो ताइवान पहुंचीं। चीन ने अपने फाइटर जेट रवाना कर दिए। ऐसा लगा कि रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच एक नया मोर्चा खुल गया है। अमेरिका और चीन सीधे आमने-सामने आ सकते हैं। बहरहाल, दोनों देशों के बीच तनाव अभी भी बरकरार है।

एक तरफ अमेरिका खुद को दुनिया की महाशक्ति तो कहता ही है, दूसरी तरफ चीन खुद इस स्थान को हासिल करने के लिए कोई मौका नहीं छोड़ता है। खासकर दक्षिण एशिया में तो चीन खुद को दादा साबित करने के तमाम प्रयास करता दिखाई देता है। भारत के अलावा दक्षिण एशिया के तमाम ऐसे देश, जो भौगोलिक, जनसंख्या और आर्थिक दृष्टि से बहुत छोटे हैं, चीन इनको सामरिक और कूटनीतिक तौर पर साथ मिलाकर भारत को घेरने के प्रयास में लगा रहता है। चीन और ताइवान के विवाद की पृष्ठभूमि को थोड़ा समझ लेते है। दोनों देशों के बीच पुराने संबंध रहे हैं, लेकिन द्वितीय वि युद्ध के बाद ताइवान ने अपना रास्ता बिल्कुल अलग कर लिया है।

ताइवान मूलतः एक आईलैंड है जो चीन के दक्षिण पूर्वी तट से करीब 100 मील की दूरी पर है। ताइवान खुद को स्वतंत्र देश मानता है, यहां एक चुनी हुई लोकतांत्रिक सरकार है, अपना संविधान है और अपने नियम-कायदे हैं, जबकि चीन लगातार कहता रहा है कि ताइवान उसका एक प्रांत है। चीन की शी जिनपिंग सरकार खासकर बेहद आक्रामक तरीके से ताइवान के एकीकरण की दिशा में पिछले कुछ सालों से प्रयास कर रही है और इस कवायद के बीच दोनों देशों का तनाव लगातार बढ़ता गया है। चीन 'वन चाइना पॉलिसी' फॉलो करता है और दावा करता है कि ताइवान भी इसी पॉलिसी का हिस्सा है।

यही नहीं, वन चाइना पॉलिसी में वह हांगकांग और मकाऊ को भी गिनता रहा है। अब यहां अमेरिका की भूमिका को समझ लेते हैं। ताइवान को लेकर अमेरिका की भूमिका बेहद संदिग्ध रही है। एक तरफ वह आधिकारिक तौर पर चीन की 'वन चाइना पॉलिसी' को भी मानता है, तो दूसरी तरफ खुद 'ताइवान रिलेशंस एक्ट 1979' के तहत ताइवान को भी संरक्षण देता रहा है और कहता रहा है कि जब भी ताइवान को खुद को डिफेंड करने की जरूरत पड़ेगी, हर तरीके की और हरसंभव मदद देगा। ताइवान, अमेरिका के लिए आर्थिक और रणनीतिक दोनों तरीके से महत्त्वपूर्ण है। एक तरफ अमेरिका, ताइवान में हथियारों का सबसे बड़ा सप्लायर है। दूसरी तरफ अमेरिका को लगता है कि अगर चीन ताइवान पर कब्जा कर लेगा तो पश्चिमी प्रशांत महासागर में उसका दबदबा बढ़ेगा। इससे ग्वाम और हवाई आइलैंड पर मौजूद अमेरिकी सैनिक ठिकानों पर एक तरीके से खतरा आ सकता है।

अमेरिका की ही तरह भारत भी 50 के दशक से ही 'वन चाइना पॉलिसी' को मानता आ रहा है, लेकिन बीते एक दशक से इसका जिक्र करना छोड़ दिया है। इसकी दो वजहें है। पहला चीन जिस तरीके से पिछले कुछ वर्षो में दक्षिण एशिया में अपनी बादशाहत कायम करने और जबरन आधिपत्य जमाने का प्रयास करता रहा है, उससे भारत ने उसके मंसूबे भांप लिये हैं। दूसरा उदाहरण हाल ही का है। चीन ने एक तरीके से भारत को चिढ़ाने के लिए 'चाइना पाक इकोनामिक कॉरिडोर' में पीओके को शामिल किया। यह सीधे-सीधे भारत की संप्रभुता में दखल देने और चुनौती देने जैसा था। चीन की इन्हीं चाल और चुनौतियों को नाकाम करने के लिए भारत पिछले कुछ सालों से एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत कूटनीतिक मोर्चे पर बेहद संजीदगी से काम कर रहा है। इसमें ताइवान भी शामिल है। एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत ही भारत ने ताइवान के साथ व्यापार और निवेश के अलावा विज्ञान-प्रौद्योगिकी और इन्वायरमेंट जैसे क्षेत्रों में काफी काम किया है।

दोनों देशों के बीच भले ही कोई औपचारिक राजनियक संबंध नहीं है, लेकिन 1995 के बाद से नई दिल्ली और ताइपे में प्रतिनिधि कार्यालय की स्थापना की गई है। भारत हमेशा से दो देशों की लड़ाई या तनाव में सीधे दखल देने से बचता रहा है। हालिया रूस और यूक्रेन का युद्ध इसका सबसे ताजा उदाहरण है। पेलोसी के दौरे के बीच जब तनाव की स्थिति बनी तो भारत ने पुनः इस पर कोई बयान नहीं दिया, लेकिन रूस और यूक्रेन से इतर चीन-ताइवान का मसला भारत के अलग है। यदि ताइवान के मसले पर अमेरिका और चीन आमने सामने आ जाते हैं तो यह लड़ाई बिल्कुल पड़ोस की होगी। इंडो पैसिफिक रीजन में भारत अमेरिका की चीन को काउंटर करने की नीतियों का समर्थन करता है। ऐसे में अगर टकराव हुआ तो इससे इंडो पैसिफिक रीजन में खतरा बढ़ेगा, जिससे सीधे तौर पर भारत भी प्रभावित होगा। हालांकि इससे दक्षिण एशिया में भारत के लिए नये मौके भी बन सकते हैं।

पाकिस्तान की अदालत ने इमरान के भाषण के सीधे प्रसारण पर लगी रोक हटाई

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की एक अदालत ने सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के भाषणों के सीधे प्रसारण पर लगाई गई रोक हटा दी। पाकिस्तान इलेक्ट्रॉनिक मीडिया नियामक प्राधिकरण (पीईएमआरए) ने इमरान द्वारा 20 अगस्त को इस्लामाबाद में एक रैली के दौरान सरकारी संस्थाओं को धमकाने और भड़काऊ भाषण देने के बाद सैटेलाइट टीवी चैनलों पर उनके भाषणों का सीधा प्रसारण करने पर पाबंदी लगा दी थी। 'द डॉन' अखबार के मुताबिक, 69 वर्षीय इमरान की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्लाह ने कहा कि नियामक ने 'अपने अधिकार क्षेत्र का उल्लंघन किया है।' उन्होंने पीईएमआरए को एक अधिकारी नियुक्त करने का निर्देश भी दिया, जो अदालत में इस प्रतिबंध को जायज ठहरा सके। मामले की अगली सुनवई के लिए पांच सितंबर की तारीख निर्धारित की गई है। रैली में दिए संबोधन में इमरान ने अपने सहयोगी शाहबाज गिल के साथ किए गए व्यवहार को लेकर पुलिस के शीर्ष अधिकारियों, पाकिस्तान चुनाव आयोग और राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की धमकी दी थी। गिल को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान तहरीक ए इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के प्रमुख इमरान ने गिल को दो दिन की पुलिस हिरासत में भेजने की मांग स्वीकारने वाली अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश जेबा चौधरी को भी धमकी दी थी और उनके खिलाफ आपत्तिजनक का इस्तेमाल भी किया था। भाषण के कुछ घंटों बाद पुलिस, न्यायपालिका और अन्य सरकारी संस्थाओं को धमकाने के आरोप में इमरान के खिलाफ आतंकवाद निरोधी कानून के तहत मामला दर्ज किया गया था।

बांग्लादेश ने मोर्टार दागे जाने के मामले में म्यांमा के राजदूत को तलब किया

ढाका। बांग्लादेश ने रविवार को उसके क्षेत्र में दो मोर्टार दागे जाने की घटना पर विरोध जताने के लिए म्यांमा के राजदूत आंग क्यॉ मोए को तलब किया। विदेश कार्यालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि रविवार दोपहर में घूमधूम सीमा पर दो मोर्टार गिरने के कुछ घंटे बाद राजदूत को तलब किया गया था। बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने कहा कि मोर्टार फटे नहीं और उन्हें बाद में निष्क्रिय कर दिया गया। विदेश सचिव मसूद बिन मोमीन ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''हमने तत्काल उन्हें (राजदूत को) बुलाया और अपना विरोध दर्ज कराते हुए उन्हें एक राजनयिक पत्र सौंपा।'' उन्होंने कहा, ''हमने उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि इस तरह की घटना फिर नहीं हो।'' विदेश मंत्रालय और बीजीबी के अधिकारियों ने कहा कि म्यांमा सुरक्षा बलों के हेलीकॉप्टरों ने भी हाल में कम से कम दो बार बांग्लादेश के हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की थी। आंग को 21 अगस्त के बाद दूसरी बार रविवार शाम को तलब किया गया था। अधिकारियों के अनुसार आंग को सख्ती से यह बात कही गयी थी कि म्यांमा की ये कार्रवाइयां एक मित्रवत पड़ोसी का काम नहीं हैं। उधर हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों ने म्यांमा में सैन्य अभियान के कारण वहां से निकलने के पांच साल होने के मौके पर कॉक्स बाजार में अपने अस्थायी शिविरों में पिछले सप्ताह 'नरसंहार स्मृति दिवस' मनाया था। बांग्लादेश ने अगस्त 2017 से 10 लाख से अधिक रोहिंग्याओं को शरण दी है।

नेपाल में संघर्ष पीड़ितों और कार्यकर्ताओं ने खामियों को लेकर संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिखा

काठमांडू। नेपाल सरकार द्वारा संसद में पेश 'संक्रमणकालीन न्याय संशोधन विधेयक' में ''कई खामियों'' का उल्लेख करते हुए संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस को संबोधित एक पत्र सोमवार को संघर्ष पीड़ितों और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के एक समूह द्वारा संयुक्त राष्ट्र के स्थानीय संयोजक रिचर्ड हॉवर्ड को सौंपा गया। 'संक्रमणकालीन न्याय संशोधन विधेयक' पिछले महीने प्रतिनिधि सभा में पेश किया गया था। पत्र में कहा गया है, ''हमारा मानना है कि जिस विधेयक को सरकार संसद के माध्यम से त्वरित आधार पर आगे बढ़ाना चाहती है, वह गुनहगारों के अनुकूल है। यह न्याय के लिए नेपाल के संघर्ष (1996-2006) के पीड़ितों की वैध मांगों को दबाने का प्रयास करता है, और भविष्य में इस तरह के हिंसक संघर्षों की पुनरावृत्ति की संभावना को भी बढ़ाएगा।'' पत्र में कहा गया है कि ''संक्रमणकालीन न्याय विधेयक'' नेपाल के उच्चतम न्यायालय के निर्देशों का पालन नहीं करता है और न्याय पर अंतरराष्ट्रीय सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।'' अखबार 'काठमांडू पोस्ट' की एक खबर के अनुसार विधेयक कहता है कि उग्रवाद के दौरान ''क्रूर हत्या'' या यातना के बाद हत्या, बलात्कार, जबरन गायब करना और निहत्थे या आम लोगों के खिलाफ की गई बर्बरता मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और माफी योग्य नहीं है। हालांकि, यह विधेयक गंभीर मानवाधिकार उल्लंघन के तहत युद्ध अपराधों और मानवता के खिलाफ अपराधों को सूचीबद्ध नहीं करता है। विधेयक में पूर्व नाबालिग लड़ाकों की चिंताओं को दूर करने का कोई प्रावधान नहीं है।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव से विश्व में फैल रही गंभीर बीमारियां : अध्ययन

लंदन । पृथ्वी पर बढ़ती गर्मी के चलते जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव इंसानों पर गंभीर बीमारी बनकर कहर बरपा रहे है। हर उम्र के लोग किसी न किसी बीमारी से जूझ रहे हैं। सर्दी, जुकाम से लेकर गंभीर बीमारियों का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में इन बीमारियों की वजह से हर साल करोड़ों लोग जान गंवा रहे हैं। विश्व का कोई भी कोना हो, हर तरफ बीमारियों की वजह से हाहाकार मचा हुआ है। मेडिकल साइंस की तमाम कोशिशों के बावजूद बीमारियों पर लगाम नहीं लग पा रहा है। आपने कभी सोचा है कि ऐसा क्यों हो रहा है? एक ताजा अध्ययन में बीमारियां फैलने की सबसे बड़ी वजह का खुलासा हुआ है, जिसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे।

एक मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक, ताजा अध्ययन में खुलासा हुआ है कि बढ़ती बीमारियों की सबसे बड़ी वजह क्लाइमेट चेंज यानी जलवायु परिवर्तन है। स्टडी में पता चला है कि दुनियाभर में इंसानों को प्रभावित करने वाली 375 संक्रामक बीमारियों में से 58 फीसदी डिजीज का प्रकोप क्लाइमेट चेंज की वजह से बढ़ गया है। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जलवायु संबंधी खतरों को बढ़ा रहा है, जिसके कारण इंसान मौत के मुंह में जा रहे हैं। बैक्टीरिया और वायरस फैलने के लिए क्लाइमेट में बदलाव काफी हद तक जिम्मेदार हैं। शोधकर्ताओं का कहना है कि भविष्य में अगर क्लाइमेट चेंज को लेकर सख्त कदम नहीं उठाए गए तो परिस्थितियां ज्यादा गंभीर हो सकती हैं।

शोधकर्ताओं ने इन्फ्लुएंजा, मलेरिया और सार्स जैसे रोगों को प्रभावित करने वाले जलवायु खतरों की तलाश में 77000 से ज्यादा स्टडीज की जांच की। इनमें पता चला कि ज्यादा गर्मी, सूखा, जंगल की आग, अत्यधिक वर्षा, बाढ़, तूफान। समुद्र के लेवल में वृद्धि, महासागरीय जलवायु परिवर्तन और भूमिगत बदलाव बीमारियों की प्रमुख वजह बनकर सामने आए है। इन कारणों की वजह से मलेरिया, इंफ्लुएंजा, सार्स, अस्थमा, स्किन एलर्जी जैसे रोग गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन रहे हैं। स्टडी के निष्कर्ष में पता चला कि जलवायु परिवर्तनों की वजह से 277 रोग बढ़ गए हैं। कुल मिलाकर शोधकर्ताओं ने पाया कि सभी संक्रामक रोगों में से 58 फीसदी ने दुनिया भर में इंसानों को बुरी तरह प्रभावित किया है।

महिला को नीलामी में खरीदें घर में गुप्त तिजोरी में मिले दूसरे विश्व युद्ध से जुड़े दस्तावेज, बुलाई पुलिस

लॉस एंजेलिस । अमेरिका में एक महिला ने एक आवास को नीलामी में खरीदा और उसके रिनोवेशन के दौरान उसे एक गुप्त तिजोरी मिली। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 28 साल की टिफनी मा कैलिफोर्निया के लॉस एंजेलिस में रहती हैं। उन्होंने अपने पार्टनर मैट के साथ मिलकर एक घर खरीदा और उसे रेनोवेट करने के बारे में सोचा। उन्होंने घर को नीलामी में खरीदा था और बिना देखे ही उसे ले लिया था। जब वो घर पहुंचीं तो उन्होंने पाया कि पुराने मालिक से जुड़ी कई चीजें पहले से ही उस घर में मौजूद हैं। पुराना टीवी सेट, सोफा, अन्य फर्नीचर उस घर में देखने को मिल रहे थे मगर अचानक टिफनी की नजर एक खुफिया तिजोरी पर गई जिसे पूरी तरह से सील कर दिया गया था।

महिला ने तुरंत उसे काटने के लिए लोगों को बुलाया और जब अंदर के सामान को देखा तो उसके होश उड़ गए। उसमें ऐसी-ऐसी चीजें थीं जिसे देखकर लग रहा था कि वो किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखी गई हैं। उस तिजोरी में किसी शख्स की महिलाओं के साथ आपत्तिजनक स्थिति में तस्वीरें थीं, इंगेजमेंट रिंग थी, इंश्योरेंस के कागज थे और दूसरे विश्व से जुड़ा एक चाकू था जिसमें नाजियों का निशान बना था। अपने इस पूरे अनुभव को टिफनी ने एक वीडियो के माध्यम से लोगों को बताया। हालांकि, रिपोर्ट के मुताबिक टिकटॉक पर उनका एक वीडियो इन्हीं सामानों को एक्सप्लोर करते हुए वायरल हो रहा है। टिफनी ने कहा कि जैसे ही उन्होंने ये तमाम चीजें देखीं तो वो समझ गईं कि जरूर ये सब किसी को ब्लैकमेल करने के लिए रखे गए होंगे इसलिए फौरन उन्होंने पुलिस को फोन कर दिया।

ग्राम पंचायत खोह जागरू के समस्त क्षेत्रवासियों को

गणेश चतुर्थी
की
हार्दिक शुभकामनाए

श्रीमती रेखा देवी
ग्राम पंचायत खोह- जागरू

अमरसिंह बैरवा
सरपंच पति

ग्राम पंचायत बसेठ के समस्त क्षेत्रवासियों को

गणेश चतुर्थी
की
हार्दिक शुभकामनाए

राजेन्द्री चौधरी
सरपंच ग्राम पंचायत बसेठ

विशम्भर चौधरी
सरपंच पति

ग्रामीण ओलंपिक खेल के तहत ग्राम पंचायत कठूमर में हुआ क्रिकेट मैच का आयोजन

मरूधर विशेष

कठूमर। दिनेश लेखी। राजस्थान ग्रामीण ओलंपिक खेल 2022 के तहत मंगलवार को ग्राम पंचायत कठूमर में क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। शिब्बोराम पीटीआई ने बताया कि क्रिकेट मैच में अंतिम मुकाबला A और E टीम के मध्य हुआ था जिसमें A टीम विजय रही। इस अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य और ग्राम पंचायत क्षेत्र की पीईईओ विराज चौहान, व्याख्याता जितेंद्र कुमार ,उमेश चंद ,मुख्य निर्णायक शिब्बोराम सोनी पीटीआई,अम्पायर पवन कश्यप व लोकेश मीणा, देवेश भारद्वाज तथा गैलेक्सी ग्रुप के डायरेक्टर मनोज कुमार, विशाल सिंह उपस्थित रहे। जीवंत प्रसारण भूमि दत्त शर्मा शिक्षक द्वारा किया गया। पूरा खेल परिसर ग्रामीणों तथा दर्शकों द्वारा भरा रहा इस अवसर पर सैकड़ों ग्रामीणों ने मैच का आनंद लिया तथा सभी उपस्थित लोगों ने ग्रामीण ओलंपिक खेलों की भरपूर सराहना की।

अबकी बार गणेश चतुर्थी पर गणेशजी की स्थापना और पूजा के लिए दिनभर में कुल 6 शुभ मुहूर्त रहेंगे

मरूधर विशेष/आध्यात्मिक

गणेश चतुर्थी पर गणेशजी की स्थापना और पूजा के लिए दिनभर में कुल 6 शुभ मुहूर्त रहेंगे। सुबह 11.20 बजे से दोपहर 01.20 बजे तक का समय सबसे अच्छा रहेगा, क्योंकि इस वक्त मध्याह्न काल रहेगा, जिसमें गणेश जी का जन्म हुआ था। जयपुर के गोविन्द देव गुरुजी कहते हैं कि वैसे तो दोपहर में ही गणेश जी की स्थापना और पूजा करनी चाहिए। समय नहीं मिल पाए तो किसी भी शुभ लग्न या चौघड़िया मुहूर्त में भी गणपति स्थापना की जा सकती है। वैसे भी इस बार गणेश चतुर्थी पर 300 साल बाद ग्रहों की शुभ स्थिति बन रही और लंबोदर योग भी है। इतनी सारी चीजों से पूजन न कर पाएं तो इसके लिए छोटी पूजा विधि 1. चौकी पर स्वस्तिक बनाकर एक चुटकी चावल रखें।
2. उस पर मौली लपेटी हुई सुपारी रखें। इन सुपारी गणेश की पूजा करें।
3. इतना भी न हो पाए तो श्रद्धा से सिर्फ मोदक और दूर्वा चढ़ाकर प्रणाम करने से भी भगवान की कृपा मिलती

गणपति पूजा से जुड़ी ध्यान रखने वाली बातें

1. गणेश जी की मूर्ति पर तुलसी और शंख से जल नहीं चढ़ाना चाहिए।
2. दूर्वा और मोदक के बिना पूजा अधूरी रहती है।
3. गणपति के पसंदीदा फूलः जाती, मल्लिका, कनेर, कमल, चम्पा, मौलश्री (बकुल), गेंदा, गुलाब
4. गणपति के पसंदीदा पत्तेः शमी, दूर्वा, धतूरा, कनेर, केला, बेर, मदार और बिल्व पत्र
5. पूजा में नीले और काले रंग के कपड़े न पहनें।
6. चमड़े की चीजें बाहर रखकर पूजा करें और भगवान को अकेले कभी न छोड़ें।
7. स्थापना के बाद मूर्ति को इधर-उधर न रखें, यानी हिलाएं नहीं।

डेगाना में छात्रसंघ प्रत्याशी वंश शर्मा पर हमले की बाबत मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन

मरूधर विशेष/खेमचन्द गुप्ता

हाल में संपन्न हुई छात्र संघ चुनाव में राजकीय महाविद्यालय डेगाना से एनएसयूआई प्रत्याशी वंश शर्मा के घर गाड़ियों में तोड़फोड़ कर उनकी मां उर्मिला शर्मा जी पर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया गया, वंश शर्मा को नामांकन भरने के दिन से ही प्रताड़ित कर चुनाव में भाग लेने से रोका जा रहा था, उसके परिवार जनों पर हुए हमले को लेकर आज विप्र सेना विद्याधर नगर विधानसभा अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा के नेतृत्व में माननीय मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिनेश कुमार शर्मा जी,अति. कलेक्टर एवं अति. जिला मजिस्ट्रेट प्रथम को सौंपा गया जिसमें आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करने एवं वंश व उसके परिवार जनों को उचित सुरक्षा प्रदान करने की मांग की गई

अचानक भरभरा कर गिरा रिहायशी मकान 9 लोग हुए घायल

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामा क्षेत्र के गांव ओलंदा में अचानक रिहायशी मकान भरभरा कर गिर गया जिसमें जेकम पुत्र नोरंग निवासी ओलंदा, इमरान पुत्र दीनू , याहया पुत्र खुशीखा, अजरू पुत्र जेकम, साहिल पुत्र जेकम, सिपाना पुत्री जेकम, वाजिब पुत्र जेकम ,सहित 3 कारीगर , निवासी अलंदा गंभीर रूप से घायल हो गए जिनको निजी अस्पताल में भर्ती करा दिया मिली जानकारी के अनुसार जैकम पुत्र नोरंग निवासी ओलंदा अपने रिहायसी मकान की छत पर अपने परिवार सहित कारीगरों द्वारा कार्य कर रहा था तभी अचानक मकान की छत भरभरा कर गिर गई जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए मकान के मलबे के नीचे दबने से घरेलू सामान फ्रिज, कूलर, वाशिंग मशीन, आटा चक्की, सहित लाखों रुपए का सामान पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया बताया जा रहा है जैकम पुत्र नोरंग गरीब व्यक्ति है और मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता है मकान के गिरने से परिवार में गम का माहौल है।

कुशलगढ नगर और आसपास के गांवो में गणेश आगमन को सजने लगे पंडाल

कुशलगढ से अरूण जोशी की रीपोर्ट

कुशलगढ। गणेश उत्सव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। करीब दो साल बाद उत्सव की रौनक देखने को मिलेगी। जहां एकबार गणपति फिर से पंडालों में विराजमान होंगे। कुशलगढ नगर और आसपास के गांवो में छोटे-बड़े मिलाकर करीब 100 से अधिक पंडालों में गणेश प्रतिमा विराजित की जायेगी। जहां बप्पा न केवल अपने भक्तों को दर्शन देंगे बल्कि उनके विघ्नों को भी दूर करेंगे। इसबार गजानन जहां धर्म ध्वज पताका लिए धर्म की रक्षा का संदेश देंगे। वहीं, मनौतियों के राजा अपने भक्तों के दुखों को दूर करेंगे। इसबार ईको फ्रेंडली मूर्तियों पर विशेष जोर दिया गया है।

दी एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर ने श्री गंगानगर के अधिवक्ता व पूर्व बार संघ के अध्यक्ष की आत्महत्या पर जयपुर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को सौंपा ज्ञापन

मरूधर विशेष / महावीर सिंह चौहान

दी एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष डॉ सुनील शर्मा व महासचिव गजराज सिंह राजावत के के साथ जयपुर के अधिवक्ताओ ने श्रीगंगानगर जिले के घडसाना बार संघ के पूर्व अध्यक्ष विजय सिंह झोरड़ एडवोकेट के पुलिस की प्रताड़ना एवं लगातार पुलिस द्वारा की जा रही बर्बरता से परेशान होकर आत्महत्या की गई जिससे दि एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर कड़े शब्दों में निंदा करते हुए वर्तमान घटना को सिर्फ दुर्भाग्यपूर्ण ही नही बल्कि पुलिस की कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्न चिन्ह खड़ा करती हुई बताया । इस संबंध में राजस्थान के संपूर्ण अधिवक्ताओं ने आज भारी रोष आक्रोश व्यक्त करते हुये इस संबंध में डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर द्वारा राज्य सरकार के समक्ष मृतक अधिवक्ता विजय सिंह झोरड़ को न्याय दिलाने के लिए जयपुर जिला कलेक्टर के जरिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को आज एक ज्ञापन सौंपा ज्ञापन में विभिन्न मांगे रखी जिसमें उक्त

घटना में जो दोषी पुलिस अधिकारी व अन्य पुलिसकर्मी है उनको तुरंत प्रभाव से निलंबित किया जाए साथ ही अधिवक्ता द्वारा दर्ज कराई गई द्व.द्व.ह्न. की निष्पक्ष जांच एसओजी सीआइडी या एडिशनल एसपी रैंक जो श्रीगंगानगर जिले से अन्य जिले का हो जांच की कार्यवाही करवाई जाए

राज्य सरकार द्वारा मर्तक अधिवक्ता विजय सिंह के परिवार जनों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए तथा उसके परिवार में से एक सदस्य को सरकारी नौकरी दिलवाई जाए

राज्य सरकार को अधिवक्ता प्रोटेक्शन एक्ट को विधानसभा के इसी सत्र में लागू करें इसके लिए राजस्थान की समस्त बार एसोसिएशन द्वारा लिखित में कई बार मांग की जा चुकी है जिस पर अमल हो

पूर्व में भी खंडेला जिला अधिवक्ता हंसराज मावलिया के द्वारा प्रशासनिक अधिकारियो कि प्रताड़ना से आहत होकर आत्महत्या की गई थी । लेकिन घटना में आरोपित अधिकारी को राज्य सरकार द्वारा पुनः सर्विस ज्वाइन करवा दी गई जो कि पूर्ण रूप से गलत है इसका अधिवक्ता समुदाय पूर्ण रूप से निंदा करता है तथा संबंधित प्रशासनिक अधिकारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही किए जाने की मांग करता है।

अधिवक्ताओं पर आए दिन आरोप अपराधियों के द्वारा हमले किए जा रहे हैं अधिवक्ता समुदाय जो कि आम जनता की पैरवी करता है और उनकी प्रभावी सुरक्षा के लिए तुरंत प्रभाव से एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए

गजराज सिंह राजावत महासचिव ने बताया कि डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर कीसमस्त कार्यकारिणी ने आज जयपुर के सभी अधिवक्ता सदस्यों से निवेदन किया कि वे स्वेच्छा से स्व श्री विजय सिंह झोरड़ को श्रद्धांजलि स्वरूप तथा दोषी अधिकारियों की गिरफ्तारी की मांग स्वरूप दिनांक 30/08/2022 को न्यायिक व रेवेन्यू कार्य स्थगित रखेंगे । डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन, जयपुर की ओर से दिनांक 30/08/2022 को जयपुर में न्यायिक व रेवेन्यू अदालतों में कार्य स्थगित रहा और सभी अधिवक्ताओ का इस साथ के लिये आभार जताया ।

डबल्यू आर आर सी एवं शुभेच्छा फाउंडेशन द्वारा लंपी स्किन रोग से बचाव हेतु गायों को खिलाए गए आयुर्वेदिक ओषधियों से बने लड्डू

मरुधर विशेष/ हवासिंह चौधरी

बहरोड़। डबल्यू आर आर सी एवं शुभेच्छा फाउंडेशन द्वारा लंपी स्किन रोग से बचाव हेतु रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए गायों को आयुर्वेदिक विभाग राजस्थान द्वारा जारी एस ओ पी के अनुरूप दालचीनी पाउडर, सोंठ पाउडर, काली मिर्च पाउडर, तुलसी के पत्ते एवं गुड़ ओषधियों से बने लड्डू आज अलवर स्थित काईन हाउस में दो सो पचानवे गायों को खिलाए गए,डबल्यू आर आर सी अध्यक्ष विवेक जसाईवाल एवं शुभेच्छा फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ विजय मंडोवरा ने बताया की लंपी स्किन डिजीज एक विषाणु जनित रोग है एवं हर विषाणु संक्रमण की तरह इसे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा कर काफी हद तक कम किया जा सकता हैं, इसी क्रम में आयुर्वेद विभाग राजस्थान सरकार द्वारा रोग प्रकोप से पूर्व रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने, रोग ग्रसित पशु के शीघ्र ठीक होने आदी हेतु कुछ आयुर्वैदिक मिश्रण पशुपालन विभाग को इलाज के साथ सुझाए हैं उसी क्रम में आज इस कार्यक्रम की शुरुवात अलवर स्थित काईन हाउस से की गई,डबल्यू आर आर सी सचिव सूरज राजपूत एवं शुभेच्छा फाउंडेशन सचिव अनुपमा शर्मा ने बताया की अब लगातार जिले में इसी तरह के लड्डू गायों को खिलाए जाएंगे, इस अवसर पर नगर परिषद आयुक्त धरमपाल जाट ने कहा कि डबल्यू आर आर सी एवं शुभेच्छा फाउंडेशन संस्थाओं द्वारा यह एक बेहतरीन शुरुवात की गई है, साथ ही कहा कि इसे एक अभियान के रूप मे चलाए जाने की जरूरत है, संयुक्त निदेशक पशुपालन विभाग डॉ रमेश चंद मीना ने बताया की उपचार के साथ इस प्रकार के आयुर्वैदिक मिश्रण को खिलाने के अन्य जिलों में अच्छे परिणाम सामने आए हैं अतः सभी समाज सेवी संस्थाओं, भामाशाहों आदी से इस मुहिम का हिस्सा बनने की अपील की एनके

इस दौरान डबल्यू आर आर सी से उपसचिव रवि शर्मा, उपस्थित रहे लड्डू बनाकर तैयार करने में शशांक झालानी पंकज, कुलदीप चौधरी, भुवनेश मुखीजा आदी ने सहायता की।

तिजारा श्री हनुमान जी महाराज का मेला महोत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

मरुधर विशेष राकेश सैनी

तिजारा प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त, बल, बुद्धि एवं विद्या के दाता भगवान श्री हनुमान जी महाराज मेला मंगलवार को कस्बे में स्थित हनुमान जी बगीची श्री दूधाधारी में श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। इस दौरान मंदिर प्रांगण को रंग बिरंगे फूलों, लाईट से सजाया गया। प्रबंधक मंदिर कमेटी के सचिव मनीष शर्मा ने बताया कि प्रातः प्रभात फेरी निकाली गई। उसके पश्चात महंत रमाशंकर ओझा द्वारा बाबा का भव्य श्रृंगार कर चोला चढ़ाया गया व ध्वजारोहण किया जाएगा। सुंदरकांड का पाठ किया । मेले में बाबा के सेवक महीपाल सैनी, बाबूलाल सैनी द्वारा भंडारा प्रसादी का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं,बच्चे, बड़े, बुजुर्गों ने पंगत में बैठकर सब्जी, पूरी, मीठी बूंदी की प्रसादी ग्रहण की। अभय सिंह सैनी, वीरेंद्र सैनी, बनेसिंह सैनी आदि का सराहनीय योगदान रहा। इस दौरान 1 घंटे से अधिक जोरदार बारिश से मौसम सुहाना हो गया। जिससे दिनभर पड़ रही उमस से लोगों को राहत मिली।संकट मोचन हनुमान जी सभी के कष्टों को हर कर आरोग्यता का आशीर्वाद दें और सभी को शक्ति प्रदान करें। का आशीर्वाद लिया।तीनों लोक तेरा उजियारा, दुखियों का तूने काज सवारा। हे जगवंदन, केसरी नंदन, कष्ट हरो हे कृपा निधान.. हे महावीर ! करो कल्याण। मेला स्थल पर बड़ी संख्या में बच्चों के खिलौने, खोमचा, आइसक्रीम, व झूले आदि की दुकानें भी लगी जिनका बच्चों ने खूब खरीदारी कर लुफ्त उठाया।रात्रि को भजन संध्या का आयोजन किया गया राहुल गौतम, सुधांशु गौतम, बॉबी लखा, लोकेश सैनी, राम गोपाल लखेरा, श्याम दुआ, सलीम नूर, सहित स्थानीय कलाकारों द्वारा बाबा का गुणगान किया गया। कलाकारों द्वारा बाबा की सुंदर-सुंदर झाकियां भी दिखाई गई, जिसमें राधा कृष्ण का रास भोलेनाथ की अघोरी रूप की, उड़ते हुए हनुमान जी, कृष्ण और सुदामा की झांकी के सुंदर स्वरूप की प्रस्तुति दी गई। जिस में उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।इस दौरान अतिथियों व भामाशाह का मंदिर कमेटी की ओर से स्वागत सम्मान किया गया। मेले के सफल आयोजन करने के लिए सभी का आभार प्रकट किया। उसके पश्चात महाआरती कर छप्पन भोग की प्रसादी भक्तों में वितरित की गई । इस दौरान मंदिर कमेटी के अध्यक्ष नागेंद्र सैनी, उपाध्यक्ष गोवर्धन सैनी, कोषाध्यक्ष राजेश कौशिक, उपसचिव शिव सिंधी, राकेश डाटा, दीपक शर्मा, कपिल भारद्वाज, विष्णु दत्त गौड़, राजेश शर्मा, सुरेन्द्र शर्मा, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

मृतक मा बेटे का शव नगर में पहुंचते ही माहौल गमगीन

परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

कुशलगढ़ से अरुण जोशी की रिपोर्ट

कुशलगढ के गाडोलिया लोहार दिनेश अपने परिवार के साथ रामदेवरा तीर्थ दर्शन करने दिनेश उसकी पत्नी और एक बेटा और बेटी और अन्य लोग दर्शन कर वापस लौट रहे थे कि भीलवाड़ा के रायला थाना अंतर्गत बालापुर के निकट एक ढाबे पर चाय पानी करने रुके थे और साइड में तीर्थयात्रियों की पिक अप खड़ी थी जिसको अजमेर की ओर से तेज गति में आते हुए टेलर ने पीछे से टक्कर मारी जिससे दिनेश की पत्नी और एक बेटे की मौत हो गई और 9 जने घायल हो गए सूचना मिलने पर भीलवाड़ा के कलेक्टर और एसपी ने भीलवाड़ा अस्पताल में जाकर घायलों से पूछताछ की और जानकारी प्राप्त कर कुशलगढ़ उपखंडअधिकारी सुनील शर्मा को एक्सीडेंट को लेकर अवगत कराया जिस पर उपखंड अधिकारी ने परिजनों को एक्सीडेंट होने की सूचनाएं दी। पोस्टमार्टम कर कुशलगढ़ भिजवाया मृतक का शव जैसे ही पहुंचा वेसा ही नगर का माहौल गमगीन काफी गमगीन हो गया परिजन का रो-रोकर बुरा हाल हो गया अपनी पुत्री की उसकी माता बाली पिता भंवर भाई भाभी दादी कंचन दहाड़ मारकर रो रहे थे।उनके आंसू थमने का नाम नहीं ले रहा था। लाश को देखकर पर परिजनों के अलावा भी नगर वासियों की भी आंखें नम हो गई। इस अवसर पर राजस्थान जनजाति आयोग के उपाध्यक्ष और कुशलगढ़ विधायक रमिला खड़िया ने भी आकर श्रद्धांजलि अर्पित की और परिजनों को ढांढस बंधाया और जिला कलेक्टर से मोबाइल पर बात कर इनको सहायता दिलाने का आश्वासन दिया। कुशलगढ़ तहसीलदार वीरेंद्र सिंह राठौड़ भी पहुंचे और परिजनों से बातचीत की दोनों की शव यात्रा एक साथ निकाली गई और नागनाथ महादेव श्मशान घाट पर दोनो को अलग-अलग मां और पुत्र का अंतिम संस्कार किया गया। उन की शव यात्रा में परिजनों के अलावा नगर वासी नगर पालिका उपाध्यक्ष नितेश बैरागी कमलेश राठौर कमलेश टेलर भूपेंद्र टेलर मिथिलेश बसेर पवन राठौड़ सुनील शर्मा अरुण जोशी ललित गोलेछा कमलेश मोदी सहित नगरवासी शव यात्रा में शामिल थे।

राज्यमंत्री की ससुराल गढ़ाजान में मूलभूत सुविधाओं को लेकर ग्रामीण परेशान

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां प्रधान व पहाड़ी प्रधान का पैतृक गांव है गढ़ाजान,सामाजिक कार्यकर्ता ने मुख्यमंत्री को विकास के लिए लिखा पत्र कामां.क्षेत्रीय एंव राज्यमंत्री एंव कामां पंचायत समिति प्रधान व पहाड़ी प्रधान के गांव गढ़ाजान के लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है। गांव में विकास के लिए इनके द्वारा कोई सहयोग नही करने व गांव के चारो ओर आम रास्तो में कीचड़ व टूटी सडके होने से परेशान ग्रामीणों की मांग पर सामाजिक कार्यकर्ता विजय मिश्रा ने राज्य के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को एक पत्र लिखकर गांव गढ़ाजान में टूटी हुई सडकों के निर्माण के लिए बजट स्वीकृत कराने की मांग की है। सामाजिक कार्यकर्ता विजय मिश्रा ने मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र में कहा है कि क्षेत्रीय विधायक एंव राज्यमंत्री जाहिदा खान व कामां व पहाड़ी प्रधान शहनाज व साजिद खान के पैतृक गांव गढ़ाजान के रास्तो व मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। गांव के सभी रास्ते कई वर्षो से क्षतिग्रस्त पड़े हुए है। जिनमें गंदा पानी व कीचड़ जमा होने से विद्यालय को जाने वाले विद्यार्थियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। और ग्राम पंचायत गढ़ाजान विकास की दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है। वहीं ग्राम पंचायत की ओर से गांव में कोई नही कराया गया है। ग्राम पंचायत गढ़ाजान की सरपंच रूबिया बानो ने बताया कि ग्राम पंचायत के खाते में 85 से 90 लाख रूपए मौजूद है। लेकिन ग्राम पंचायत को कोई भी विकास कार्य नही करने दिया जा रहा है। जिसका मुख्य कारण मेरे द्वारा विधायक जाहिदा खान की सास हजरी को सरपंच चुनाव में परास्त किया गया था। इसी बदले की भावना को लेकर कोई भी विकास कार्य नही होने दिया जा रहा है। इसी कारण से ग्राम पंचायत गढ़ाजान के ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं को तरस रहे है। वहीं पंचायत समिति के विकास अधिकारी वीरेन्द्र सिंह बुन्देल ने बताया कि मैने हाल ही में डयूटी जॉइन की है। ग्राम पंचायत गढज़ान में विकास कार्य क्यों रूके पड़े है। मेरी जानकारी में नही है।

पेयजल किल्लत को लेकर महिलाओं ने किया मटका फोड़ प्रदर्शन

मरुधर विशेष आमिर खान कामां

कामां.कस्बें के अगवा मौहल्ला में पिछले करीब पन्द्रह दिनों से पेयजल सप्लाई नही होने से महिलाओं ने मंगलवार को जलदाय विभाग कार्यालय पर पहुंचकर मटका फोड़ प्रदर्शन किया। इसके बाद महिलाओं ने जलदाय विभाग के अधिकारियों से मुलाकात कर पेयजल सप्लाई उपलब्ध कराने की मांग की। कस्बें की अगवा मौहल्ला की महिलाओं ने बताया कि पिछले करीब पन्द्रह दिनों से मौहल्लेवासियों को जलदाय विभाग के द्वारा पेयजल सप्लाई उपलब्ध नही कराई जा रही है। जिसको लेकर महिलाओं ने जलदाय विभाग कार्यालय पर पहुंचकर मटका फोड़ प्रदर्शन कर जलदाय विभाग के अधिकारियों के खिलाफ नारेबाजी की। और जलदाय विभाग के अधिकारियों से मुलाकात करते हुए मौहल्लेवासियों को पेयजल सप्लाई उपलब्ध कराने की मांग की। जिसपर अधिकारियों ने शीघ्र पेयजल सप्लाई उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

तीज पर महिलाओं ने रखा निर्जला व्रत

हरितालिका व्रत (केवडा व्रत) श्रद्धा भाव से मनाया गया। महिलाओं ने अन्न-जल ग्रहण नहीं किया

कुशलगढ से अरूण जोशी की रीपोर्ट

कुशलगढ। अखंड सौभाग्यवती की मनोकामना के लिए महिलाओं ने मंगलवार को निर्जला व्रत रखा।भाद्रपद शुक्ल पक्ष की तृतीय को मनाया जाने वाला हरितालिका व्रत (केवडा व्रत) श्रद्धा भाव से मनाया गया। महिलाओं ने अन्न-जल ग्रहण नहीं किया। व्रतधारियों ने मनोकामना की प्राप्ति के लिए शिव मंदिरों में पूजा अर्चना व आराधना की।व्रत को लेकर श्रद्धालु महिलाओं ने दिनभर व्रत-उपवास रखे। सुबह से ही पानी का एक घूंट भी हलक से नहीं उतार कर पूजन-विधि शुरू की। मनोवांछित फल प्राप्ति के लिए किए जाने वाले इस व्रत को लेकर दिनभर शिवालयों में व्रतधारियों की रेलमपेल रही। यहां नागनाथ महादेव,नीलकंठ महादेव,सोमनाथ मंदिर में विशेष श्रृंगार किया गया। व्रतधारियों ने मंत्रों के साथ पूजन किया और शिव-पार्वती का भी आह्वान किया। व्रतधारी महिलाओं ने रेत का शिवलिंग बनाकर आसन, पाद्य अध्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, उपवीत, तांबूल, कंचुकी तथा सामर्थ्य अनुसार पूजन सामग्री से षोडशोपचार पूजन किया। पूजा समाप्ति के बाद व्रतधारियों ने शिवलिंग एवं पीपल वृक्ष की प्रदक्षिणी की। इसके बाद व्रतधारियों ने व्रत की पौराणिक कथा का श्रवण किया। अंत में बांस की बनी टोकरी में मिठाई,वस्त्र सौभाग्य की सामग्री, दक्षिणा आदि रखकर ब्राह्मणों को दान किया और आरती उतारी। व्रतधारियों ने व्रत पर केवडे का पूजन कर भगवान शिव को चढ़ाया। नगर के सभी शिव मंदिरो में सुबह से भगवान के दर्शनों की कतारों लगी रही।